स्थानीय नेतृत्व का समर्थन करना

हमारा दृष्टिकोण

स्थानीय लोगों के अस्तित्व और नेतृत्व का हम समर्थन करते हैं। स्थानीय लोगों पर थोपी गई सभी पिछली और वर्तमान जाति संहारक (नरसंहारक) नीतियों के प्रभावों को नष्ट करने के लिए जो कुछ भी आवश्यक है, वह करने की आवश्यकता दुनिया भर के लोगों को है।

वर्तमान में जाति संहार (नर संहार) की सभी नीतियों के विरुद्ध हम खड़े हैं और उन्हें समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिनकी भूमि पर हमने कब्जा किया है और जिनके संसाधनों का हम उपयोग करते हैं, उन स्थानीय लोगों का नेतृत्व मान्य करने, उनसे सीखने और उनका समर्थन करने में आनेवाली किसी भी बाधा को हम दूर करेंगे।

पृथ्वी, संधियों, और स्थानीय संप्रभुता का ध्यान रखना

पृथ्वी की देखभाल करने, स्थानीय लोगों (मूल निवासियों) के साथ की गई संधियों का सम्मान करने के और स्थानीय संप्रभुता (Native Sovereignty) के मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। देशज लोग इन चीजों का विभक्तिकरण नहीं करते। इन्हें एक ही मुद्दे के रूप में देखा जाता है।

हमारे विश्वव्यापी सांस्कृतिक दृष्टिकोण को चुनौती देना

हममें से अधिकांश लोग उन संस्कृतियों में पले-बढ़े हैं, जिसके चलते हम प्रभुत्व और शोषण के लिए निरंतर संघर्षों की दृष्टि से ही दुनिया को देख पाते हैं। जिस स्थिति में हम होते हैं, उस स्थिति पर यदि हम प्रभुत्व नहीं रख पाते, तो हमें ऐसा महसूस होता है कि या तो हमें नज़रअंदाज़ किया जा रहा है या किसी और के प्रभुत्व के अधीन होने के लिए विवश किया जा रहा है।

संभवतः हम यह अनुभव कर सकते हैं कि "निजी संपत्ति" का स्वामित्व हमें "अपनी" संपत्ति का मनचाहा उपभोग करने का अधिकार देता है और इसे हम उचित समझते हैं। बहुत से स्थानीय (मूलनिवासी) लोग यह नहीं मानते कि धरती माता का भी स्वामित्व हो सकता है। भूमि पर जनजाति का साझा अधिकार होता है और इसकी देखभाल मनुष्यों, अन्य प्रजातियों और वर्तमान तथा भविष्य की पीढ़ियों के निवास के उद्देश्य से की जाती है।

कई बाहरी (गैर-स्थानीय) लोग जीवन को अच्छे और बुरे के बीच की लड़ाई के रूप में देखने के अभ्यस्त हैं। इस विश्वव्यापी दृष्टिकोण को अक्सर सज़ा या सज़ा की धमकियों द्वारा कठोरता से लागू किया गया है, जिसके अनुसार जो बुरा है, उसे दंडित किया जाना चाहिए। सज़ा को "आपराधिक न्याय" प्रणालियों द्वारा संस्थागत बना दिया गया है। भले ही हम दार्शनिक (सैद्धांतिक) रूप से इस विश्वव्यापी दृष्टिकोण और इन संस्थानों के विरोधी हों, फिर भी वे हमें अकल्पित स्तर पर प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरणार्थ, हमारी यह प्रबल इच्छा हो सकती है कि पर्यावरण संबंधी गलती करनेवालों को उनके कुकर्मों के लिए दंडित किया जाए। ये भावनाएँ समझ में आती हैं, लेकिन सामान्य तौर पर वे एक बाहरी (गैर-स्थानीय) विश्वव्यापी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं।

दूसरी ओर, कई स्थानीय लोगों को उपर्युक्त से भिन्न सांस्कृतिक दृष्टिकोणों से परिचित कराया गया है और/या उन्हें उनमें सराबोर किया गया है। इन विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने, उनका सम्मान करने और आत्मसात करने का अवसर हर किसी के लिए एक उपहार है। उदाहरण के लिए, जब एक बाहरी व्यक्ति सबसे पहले सही विरुद्ध गलत के द्वंद्व के बारे में सोच सकता है, तब एक स्थानीय व्यक्ति इस बात पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकता है कि क्या चीजें सामंजस्यपूर्ण संतुलन में हैं और वह इस बात पर विचार कर सकता है कि संतुलन और सद्भाव को कैसे पुनर्स्थापित किया जाए।

निस्संदेह कई अलग-अलग स्थानीय संस्कृतियाँ हैं, और इसलिए सांस्कृतिक मूल्यों के कई अलग-अलग समूह हैं, जो हर किसी को वास्तविकता से अवगत करा सकते हैं। दुर्भाग्य से, इस बिंदु पर कई स्थानीय संस्कृतियाँ उपनिवेशन (Colonization)से अत्यधिक प्रभावित या विकृत हो गई हैं - उदाहरण के लिए, बाहरी (गैर-स्थानीय) लोगों द्वारा स्थानीय लोगों पर बाहरी धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं को और प्रभावशाली सांस्कृतिक शैक्षणिक संस्थानों द्वारा लगाए गए सांस्कृतिक मानदंडों को सुनियोजित तरीके से थोपना। इसलिए स्थानीय संस्कृतियों और लोगों पर उपनिवेशीकरण के प्रभावों को जानना महत्वपूर्ण है।

'संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता' (सस्टेनिंग ऑल लाइफ – एसएएल) प्राथमिक स्तर पर काम करनेवाला एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो लोगों के आपसी भेदभाव को समाप्त करने के संदर्भ में जलवायु आपातकाल को समाप्त करने के लिए काम कर रहा है। 'नस्लवाद के खिलाफ संगठन' (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म - यूईआर) में अलग-अलग देशों के विविध प्रकार के लोग शामिल हैं, जो दुनिया में नस्लवाद को खत्म करने के लक्ष्य के साथ-साथ अन्य सभी समूहों के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूईआर और एसएएल 'पुनर्मूल्यांकन समुपदेशन' की परियोजनाएँ हैं और उनके साधनोंका उपयोग करते हैं। 'पुनर्मूल्यांकन समुपदेशन' एक ऐसा भली-भाँति परिभाषित सिद्धांत और अभ्यास है, जो उत्पीडन और अन्य प्रकार के दुःखों से उत्पन्न भावनात्मक नुकसान से स्वयं को मुक्त करने में सभी आयुवर्ग और पृष्ठभूमि वाले लोगों की सहायता करता है, ताकि वे एक-दूसरे की प्रभावपूर्ण तरीके से मदद कर सकें। बारी-बारी से एक-दूसरे को सुनने और दुःखद भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने से लोग पुराने दुखों से उबर सकते हैं और सोचने, बोलने तथा दूसरों को संगठित कर एक ऐसी दुनिया के निर्माण का नेतृत्व करने में सक्षम हो सकते हैं, जिसमें मनुष्य और अन्य जीवमात्र को महत्व देने के साथ ही पर्यावरण को भी पुनर्स्थापित और संरक्षित किया जाता है। फिलहाल 'पुनर्मूल्यांकन समुपदेशन' 95 देशों में मौजूद है।

SustainingAllLife.org UnitedToEndRacism.org

sustaining_all_life @sustainalllife SustainingAllLife

क्यू आर संहिता

स्थानीय नेतृत्व शैलियों का सम्मान करना सीखना

बहुत से स्थानीय निवासी गुप्त रहकर या बाहरी परिवेश में अधिक सामने न आने के कारण नरसंहार से बच गए हैं। साथ ही, कई बाहरी लोगों को स्थानीय लोगों की उपस्थिति या प्रभाव पर ध्यान न देने का जटिल प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, यहाँ तक कि जब वे एक ही कमरे में बैठे हों, तब भी उन्हें "गायब" कर दिया जाता है। यह परिस्थिति जाति संहार (नर संहार) के इतिहास का परिणाम है और कई अलग-अलग स्वरूपों में दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, एक स्थानीय व्यक्ति जो बाहरी परिवेश में एक नेता प्रतीत होता है, अपना आत्मविश्वास सहजता से दर्शाने में बहुत अधिक भय महसूस कर सकता है।

और अक्सर, एक स्थानीय व्यक्ति एक बुद्धिमानीपूर्ण प्रस्ताव रख सकता है, जिसे लगभग पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन बाद में एक बाहरी व्यक्ति द्वारा उसे दोहराया जाता है, और उसे प्रस्ताव रखने का श्रेय मिलता है। इसके अतिरिक्त, जिस तरह "शक्तिशाली" बाहरी नेता स्थानीय समूहों पर जबरदस्ती हावी हो सकते हैं, हम स्थानीय नेताओं से वैसी उम्मीद नहीं रख सकते। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि सभी प्रतिभागी शांत रहना सीखें, सम्मानपूर्वक सुनें, और गैर-स्थानीय एजेंडे या पर्यावरणीय मुद्दों की अत्यावश्यकता के विचार को लागू किए बिना स्थानीय नेताओं को उनकी पसंद के हर तरीके से नेतृत्व करने का मौका दें।

सीखने योग्य बातें

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्टैंडिंग रॉक इंडियन रिजर्वेशन के आसपास डकोटा एक्सेस ऑयल पाइपलाइन के निर्माण के खिलाफ 2016-2018 की लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण थी, जो केवल एक विरोध आंदोलन नहीं थी। स्टैंडिंग रॉक ने आधुनिक नरसंहार नीतियों और युद्ध का असली चेहरा उजागर किया। स्टैंडिंग रॉक ने अमेरिकी संघीय और राज्य सरकार की नीतियों द्वारा समर्थित कॉर्पोरेट हितों के जरिए स्थानीय लोगों के खिलाफ शुरू किए गए संघर्ष के एक अधिनियम के विरोध में स्थानीय प्रतिरोध की प्रेरणा दी। मूलनिवासियों के हितों और संधि समझौतों की अपेक्षा बाहरी (गैर-स्थानीय) स्वामी वर्ग के हितों को प्राथमिकता दी गई। स्टैंडिंग रॉक में सभी लोगों के हितों की दृष्टि से स्थानीय भूमि और जल अधिकारों की रक्षा के लिए एक व्यापक अंतर-आदिवासी एकत्रीकरण और अलगाव था।

जिस भौगोलिक क्षेत्र में आप काम कर रहे हैं, वहां की सरकार और स्थानीय जनजातियों के बीच हुई (द्वारा हस्ताक्षरित) संधियों से परिचित होना महत्वपूर्ण और उपयोगी है। इनमें से कई संधियों का उल्लंघन बाहरी (गैर-स्थानीय) लोगों द्वारा प्रतिदिन किया जाता है, जो स्थानीय लोगों के अस्तित्व की निरंतर उपेक्षा करते हैं, और जो यह नहीं मानते कि स्थानीय भूमि और संसाधन अधिकारों का कोई महत्व है। इस तरह का रवैया भूमि की जब्ती और निजीकरण के अंतिम लक्ष्य के साथ स्थानीय लोगों के निरंतर सक्रिय नरसंहार को प्रेरित करता है। इन विचारों को न्यायपूर्ण (सही) ठहराने के लिए कई बहाने इस्तेमाल किये जाते हैं।

यदि आप संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हैं, तो यह जानना उपयोगी होगा कि अमेरिका के मूल निवासियों और गैर-मूल निवासियों के आपसी संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित शब्दों का क्या अर्थ है: सौंपी गई भूमि, मूल संप्रभुता, आत्मनिर्णय, आबंटन, आत्मसात करने की पद्धति, भारतीय पुनर्गठन, जनजातियों का समापन (जनजातीय समाप्ति), वार्षिक वृत्ति का भुगतान, भोगाधिकार, संघीय मान्यता, भारतीय बोर्डिंग स्कूल, भारतीय मामलों का ब्यूरो (बीआईए)। ये शब्द उन नीतियों और मुद्दों के संदर्भ में प्रयोग में लाए जाते हैं, जो स्थानीय उत्तरी अमेरिकियों के चल रहे नरसंहार के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं।

यदि आप संयुक्त राष्ट्र अमेरिका से बाहर रहते हैं, तो यह जानना अच्छा होगा कि आपके देश में कानून और संस्थाएँ किस प्रकार स्थानीय लोगों को प्रभावित करते हैं।

संबंधों का निर्माण

नरसंहार को समाप्त करने का अधिकांश दायित्व स्थानीय लोगों के साथ वास्तविक मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की हमारी क्षमता पर निर्भर करता है। यदि यह आपके लिए एक संघर्ष है, तो बेहतर होगा कि आप ऐसे लोगों के साथ मित्रता स्थापित करने से शुरुआत करें, जिनके पास स्थानीय विरासत है, लेकिन वे आपकी जैसी संस्कृति में पले-बढ़े हैं। (उदाहरण के लिए, देशज विरासत वाले (native heritage) लोग जो श्वेत, काली या लैटिनो संस्कृति में पले-बढ़े हैं) इन रिश्तों को जोड़कर आप उनकी विरासत के स्थानीय हिस्सों का पता लगा सकते हैं और उन्हें समझना शुरू कर सकते हैं और उन पर नरसंहार के प्रभावों को पहचानना सीख सकते हैं। हो सकता है कि वे आपको अपने जैसे ही प्रतीत हों, जिससे आपको उनके साथ अपेक्षाकृत सहजता का अनुभव होगा। इसीलिए उनसे शुरुआत करना अच्छा विकल्प हो सकता है। लेकिन उनकी पारिवारिक कहानियाँ, उनकी ताकतें और कठिनाइयाँ आपसे काफी भिन्न हो सकती हैं।

“संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता और नस्लवाद के खिलाफ संगठन” का कार्य

यदि हम अगले पांच से दस वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था, अपनी ऊर्जा प्रणालियों और अपने जीवन में कुछ बहुत बड़े बदलाव करें, तो मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सीमित करना और पर्यावरण को पुनर्स्थापित करना संभव है। ‘संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता’ (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और ‘नस्लवाद के खिलाफ संगठन’ (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) का मानना है कि नस्लवाद, स्थानीय लोगों के नरसंहार, वर्गवाद, लिंगवाद और अन्य उत्पीड़नों (oppressions) पर जब हम एक साथ विचार करेंगे, तभी पर्यावरण संकट का समाधान हो सकता है। पर्यावरण के विनाश और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव इन उत्पीड़नों द्वारा लक्षित समूहों और अन्य कमजोर आबादी (बुजुर्ग, विकलांग और बहुत छोटे लोगों की आबादी सहित) पर सबसे अधिक पड़ता है। आवश्यक परिवर्तन लाने के लिए जलवायु परिवर्तन, नस्लवाद और शोषण के प्रभावों से लड़ने वाले दुनिया भर के हर पृष्ठभूमि के लोगों के बीच एक बड़े पैमाने पर आंदोलन की आवश्यकता होगी।

‘संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता’ (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और ‘नस्लवाद के खिलाफ संगठन’ (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) मानता है कि एक पर्याप्त बड़े और शक्तिशाली आंदोलन के निर्माण में आने वाली बाधाएँ इस प्रकार हैं - (1) राष्ट्रों और जन-समुदायों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विभाजन (सामान्यतः उत्पीड़न और विशेष रूप से नस्लवाद और वर्गवाद के कारण होनेवाला विभाजन), (2) यह व्यापक भावना कि अब बहुत देर हो चुकी है और कोई भी कार्रवाई अप्रभावी होगी, (3) जलवायु संबंधी आपात स्थिति को स्वीकार न करना या उससे जुड़ने में विफलता, और (4) पर्यावरणीय संकट तथा हमारी आर्थिक प्रणाली की विफलताओं के आपसी संबंधों को प्रभावशाली तरीके से सुलझाने में आनेवाली कठिनाइयाँ। ऐसे मुद्दों के साथ ही अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए भी “सस्टेनिंग ऑल लाइफ और यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म” काम करता है।

उत्पीड़न की भूमिका

हमारे समाज का आर्थिक और राजनीतिक स्वरूप ऐसा है कि विकास और लाभ की मांग करते समय जनसामान्य, अन्य सजीवों और पृथ्वी के प्रति सम्मान की भावना नगण्य रह जाती है। इसका परिणाम शोषण और उत्पीड़न है। जबरदस्त अन्याय करने, संसाधनों तक पहुँच सीमित करने, और अरबों लोगों के जीवन को नुकसान पहुँचाते हुए उत्पीड़न (जैसे नस्लवाद, वर्गवाद, लिंगवाद और युवा लोगों का उत्पीड़न) सभी को शिकार बनाते हैं। एक बार उत्पीड़न का निशाना बनने के बाद हम दूसरों के साथ वैसा ही चोट पहुँचानेवाला बर्ताव करते हैं, जैसा हमने अनुभव किया होता है। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप हम मानसिक और भावनात्मक नुकसान (harm) का अनुभव करते हैं। हमारा अनुभव यह है कि भले ही लोग उत्पीड़क कार्य करने के लिए प्रेरित होते हों, पर ऐसा व्यवहार करना उनकी मूल प्रवृत्ति नहीं होती, बल्कि जब कोई व्यक्ति भावनात्मक रूप से घायल होता है, तभी यह प्रेरणा उत्पन्न होती है। आर्थिक शोषण को स्थापित करने और उसे बनाए रखने के लिए उत्पीड़क समाज इस संवेदनशीलता का चालाकी से उपयोग करता है।

व्यक्तिगत नुकसान से उबरने का महत्व

उत्पीड़न और अन्य दुखद अनुभवों से हमारा जो मानसिक और भावनात्मक नुकसान होता है, उससे हमारी स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता बाधित होती है और यह नुकसान लोगों के समूहों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर देता है। इससे जलवायु आपात स्थिति के बारे में सोचना और उस पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देना हमारे लिए कठिन हो जाता है।

उत्पीड़न को बनाए रखने रखने और अन्य दुखदायक व्यवहार को जन्म देने में सहायक चोटों से उबरना न तो तुरंत हो पाता है और न यह आसान काम है। हममें से कई लोग उबरने की इस व्यक्तिगत प्रक्रिया (personal healing process) का विरोध करते हैं। हो सकता है कि स्वयं को सुन्न करते हुए हम इस उत्पीड़नजन्य नुकसान को अनदेखा कर दे। हममें से कुछ लोग ऐसा भी मानते हैं कि हम कभी भी इस नुकसान से मुक्त नहीं होंगे। ‘संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता’ (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और ‘नस्लवाद के खिलाफ संगठन’ (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) में हमने सीखा है कि खुद को इन चोटों से मुक्त होना और प्रभावी आयोजन में आने वाली बाधाओं को दूर करना संभव है। यदि कोई हमारी बात ध्यान से सुनता है और हमें दुःख, भय और अन्य दर्दनाक भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति देकर उसके लिए प्रोत्साहित करता है, तो हम दुखद अनुभवों से उबर (heal) सकते हैं। यह हमारी प्राकृतिक रूप से उबरने की प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है, जैसे कि बात करना, रोना, कांपना, गुस्सा व्यक्त करना और हंसना।

एक सहायक नेटवर्क में भावनात्मक दर्द को दूर करके, हम एकजुट, आशावान, विचारशील, आनंदमय और प्रतिबद्ध रह सकते हैं। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन और नस्लवाद के प्रभावों को रोकने के हमारे आंदोलन चलाने के लिए हमें ताकत मिलती है।

Sustaining All Life

United to End Racism

अधिक जानकारी के लिए देखें:

www.sustainingalllife.org या www.unitedtoendracism.org
या लिखें: Sustaining All Life/United to End Racism
19370 Firlands Way N, Shoreline, WA 98133-3925 USA
ईमेल: sal@rc.org टेलीफ़ोन: +1-206-284-0311